IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-7 & 8 Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi -110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

Q.1) लखुदियार शैल चित्रों (Lakhudiyar rock paintings) के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. मनुष्य, पशु तथा सफेद, काले और लाल गेरूआ रंगों में ज्यामितीय पैटर्न के चित्रण होते हैं।
2. अधिरोपण (superimposition) के बिना हाथ से संबद्ध नृत्य करते हुए मानव चित्र इन चित्रों की विशेषता हैं।
3. लहरदार रेखाएं, आयत में भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और बिंदुओं के समूह (groups of dots) भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
उत्तराखंड के लखुदियार में सुयाल नदी के तट पर स्थित लखुदियार के शैल आश्रयों में प्रागैतिहासिक चित्र हैं। लखुदियार का शाब्दिक अर्थ, एक लाख गुफाएँ हैं। यहां चित्रों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: **मनुष्य, जानवर और सफेद, काले और लाल गेरू में ज्यामितीय पैटर्न**।	मनुष्य को छड़ी जैसे रूपों में दर्शाया जाता है। यहाँ दर्शाया गया दिलचस्प दृश्यों में से एक **हाथ से संबद्ध नृत्य करती मानव आकृतियों का है। चित्रों में कुछ अधिरोपण है**। सबसे प्राचीन काले रंग में हैं; इनके बाद लाल गेरूआ रंग के चित्र हैं और अंतिम समूह में सफेद चित्र हैं।	एक लंबी नाक वाला पशु (long-snouted animal), एक लोमड़ी और एक बहु-पैर वाली छिपकली मुख्य पशु रूपांकन हैं। **लहरदार रेखाएं, आयत में भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और डॉट्स के समूह** भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

Q.2) निम्नलिखित युग्मों का मिलान करें:

सिंधु घाटी की कलाकृतियाँ	प्रयुक्त सामग्री
1. नृत्य करती हुई लड़की	A. टेरकोटा
2. दाढ़ी रखे हुए पुजारी	B. कांसा
3. पुरुष धड़ (Male Torso)	C. बलुआ पत्थर
4. मातृदेवी	D. स्टेटाइट

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 – A ; 2 – D ; 3 – C ; 4 – B
b) 1 – A ; 2 – C ; 3 – D ; 4 – B

c) 1 – B ; 2 – D ; 3 – C ; 4 – A
d) 1 – B ; 2 – C ; 3 – D ; 4 – A

Q.2) Solution (c)

सिंधु घाटी की कलाकृतियाँ	प्राप्त स्थल	प्रयुक्त सामग्री
नृत्य करती हुई लड़की	मोहनजोदड़ो	**कांसा**
दाढ़ी रखने वाला पुजारी	मोहनजोदड़ो	सोपस्टोन / **स्टेटाइट**
पुरुष धड़	हड़प्पा	लाल **बलुआ पत्थर**
मातृदेवी	मोहनजोदड़ो	**टेरकोटा**

Q.3) सिंधु घाटी सभ्यता के मृदभांडों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मृदभांडों में मुख्य रूप से बहुत अच्छे हस्तनिर्मित होते हैं, बहुत कम चाक पर बने होते थे।
2. बहु-रंगीय (Polychrome) मृदभांड दुर्लभ थें।
3. तराशे हुए बर्तन आम थे तथा तराशी गई सजावट बर्तन के आधारों तक सीमित थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा ग़लत है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.3) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
सिंधु घाटी के मृदभांडों में मुख्य रूप से बहुत ही उत्कृष्ट चाक पर बने हुए मृदभांड पाए गए हैं, जिसमें बहुत कम हस्तनिर्मित हैं। बहु-चित्रित बर्तन की तुलना में सादे मिट्टी के बर्तन अधिक आम थे। सादा मिट्टी के बर्तनों में महीन लाल मिट्टी या धूसर मिट्टी प्रयुक्त हुई है। इसमें घुंडी वाले बर्तन भी शामिल हैं, जो हत्थे (knobs) की पंक्तियों के साथ अलंकृत होते थे। काले पेंट वाले बर्तन में लाल रंग की रेखा की बारीक कोटिंग होती	**बहु -चित्रित (Polychrome) मृदभांड दुर्लभ है** तथा इसमें मुख्य रूप से लाल, काले और हरे रंग में ज्यामितीय पैटर्न से सजाए गए छोटे फूलदान शामिल हैं, कभी-कभी सफेद और पीले भी।	तराशे हुए बर्तन भी दुर्लभ थे तथा तराशी गई सजावट बर्तन के आधारों तक, सीमित थी,

है, जिस पर ज्यामितीय और जानवरों के डिजाइनों को चमकदार काले रंग में निष्पादित किया जाता है।		

Q.4) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

स्तूप स्थल	राज्य
1. जाग्यापेट	आंध्र प्रदेश
2. बैराट	मध्य प्रदेश
3. देवनीमोरी (Devnimori)	कर्नाटक

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) केवल 2 और 3

Q.4) Solution (d)

- **राजस्थान में बैराट स्तूप** एक मौर्यकालीन वृत्ताकार स्तूप-तीर्थ है (अशोक द्वारा), जो लकड़ी के छब्बीस अष्टकोणीय स्तंभों के साथ बारी-बारी से ईंट-पत्थर के चूने से बने पैनलों से बना है, जो एक खुले वर्गीय प्रांगण के चारों ओर व्यवस्थित कक्षों की एक डबल पंक्ति के साथ मठवासी अवशेष है। यह स्थान दो अशोक कालीन शिलालेखों के लिए प्रसिद्ध है और यहां महत्वपूर्ण प्राचीन बौद्ध अवशेष पाए जाते हैं।
- **देवनीमोरी स्तूप गुजरात** में शामलाजी के पास मेशवो नदी के तट पर स्थित है।
- **आंध्र प्रदेश के वेंगी में जगयपेट्टा**, अमरावती, भट्टीप्रोलू, नागार्जुनकोंडा, गोली आदि जैसे कई स्तूप स्थल हैं।

Q.5) प्रयाग प्रशस्ति में निम्नलिखित में से किस शासक का शिलालेख है?

1. अशोक
2. समुद्रगुप्त
3. जहांगीर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.5) Solution (d)

- **इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख या प्रयाग प्रशस्ति** सबसे महत्वपूर्ण अभिलेखीय साक्ष्यों में से एक है।
- यह अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार के बारे में अपने अध्यादेशों को बताने के उद्देश्य से बनाया गया था।
- गुप्त सम्राट, समुद्रगुप्त (4 वीं शताब्दी ई.) के बारे में बाद में शिलालेखों में वर्णन विशेष रूप से उल्लेखनीय है।
- इसके अलावा शिला पर उत्कीर्ण मुगल सम्राट, जहाँगीर द्वारा 17 वीं शताब्दी के शिलालेख भी हैं।

Q.6) अमरावती स्कूल कला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह स्वदेशी रूप से विकसित की गयी थी तथा बाहरी संस्कृतियों से प्रभावित नहीं थी।
2. अमरावती स्कूल की मूर्तियां सफेद पत्थर का उपयोग करके बनाई गई थीं।
3. इस स्कूल की मूर्तियों में त्रिभंगा मुद्रा का अत्यधिक उपयोग किया गया है, अर्थात् शरीर तीन झुकाव के साथ था।

ऊपर दिए गए कौन से कथन सही हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.6) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
भारत के दक्षिणी भागों में, सातवाहन शासकों के संरक्षण में, अमरावती स्कूल कला कृष्णा नदी के तट पर विकसित हुई। प्रमुख स्थान जहाँ इस शैली का विकास हुआ, वे अमरावती, नागार्जुनिकोंडा, गोली, घंटाशाला और वेंगी हैं। **यह स्वदेशी रूप से विकसित हुई थी तथा बाहरी संस्कृतियों से प्रभावित नहीं थी।**	**अमरावती स्तूपों में प्रयुक्त सामग्री में एक विशिष्ट सफेद संगमरमर भी है** तथा अमरावती मूर्तियों में मानव, पशु और पुष्प रूपों में गहरा और शांत प्रकृतिवाद के साथ संचलन और ऊर्जा की भावना है।	मथुरा और गांधार स्कूल एकल छवियों पर केंद्रित थे, जबकि अमरावती स्कूल ने गतिशील छवियों या कथा कला के उपयोग पर अधिक जोर दिया। **इस स्कूल की मूर्तियों में त्रिभंग मुद्रा का अत्यधिक उपयोग किया गया है, अर्थात् शरीर में तीन ओर झुकाव रहता था।**

Q.7) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मंदिर	मंदिर वास्तुकला की शैली
1. सूर्य मंदिर, कोणार्क	नगार
2. होयसल मंदिर, कर्नाटक	द्रविड़
3. मार्कंडेश्वर मंदिर, महाराष्ट्र	वेसर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.7) Solution (c)

- देश में मंदिरों के दो व्यापक व्यवस्था ज्ञात हैं - **उत्तर में नागर और दक्षिण में द्रविड़**। कई बार, नागर मंदिरों और द्रविड़ मंदिरों के चयनात्मक मिश्रण के माध्यम से बनाई गई एक स्वतंत्र शैली के रूप में मंदिरों की **वेसर शैली** का उल्लेख कुछ विद्वानों द्वारा किया गया है।
- मंदिर की वास्तुकला के उत्तर भारतीय शैली (नागर शैली) के कुछ सबसे अच्छे उदाहरण खजुराहो समूह के मंदिर, सूर्य मंदिर, कोणार्क, सूर्य मंदिर मोढेरा, गुजरात आदि हैं।
- बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा में होयसल मंदिर वेसर शैली के प्रमुख उदाहरण हैं। इसलिए युग्म 2 गलत है।
- महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मार्कंडेश्वर या मार्कंडेदेव मंदिर है। वे 'मिनी खजुराहो' या 'विदर्भ के खजुराहो' के नाम से प्रसिद्ध हैं। वे शैव, वैष्णव और शक्ति विश्वास से संबंधित हैं। मंदिर उत्तर भारत के मंदिरों के नागर समूह से संबंधित हैं। इसलिए युग्म 3 गलत है।

Q.8) इनमें से सबसे अधिक संख्या में गुफाओं की खुदाई किस स्थान से हुई है?

a) अजंता
b) जुन्नार
c) एलोरा
d) कन्हेरी

Q.8) Solution (b)

- जुन्नार में सबसे अधिक संख्या में गुफा का उत्खनन हुआ है - दो सौ से अधिक गुफाएँ जबकि मुंबई में कन्हेरी में एक सौ आठ गुफाएँ उत्खनित हुई हैं।
- कुल मिलाकर जुन्नार के आसपास चार पहाड़ियों में स्थित 220 से अधिक परस्पर स्वतंत्र शिलाकृत गुफाएं हैं। भारत में जुन्नार में सबसे बड़ी और सबसे लंबी गुफा की खुदाई हुई है। गुफाओं के बीच सबसे प्रसिद्ध लेन्याद्री परिसर (Lenyadri complex) है। यह लगभग 30 शिला-कृत गुफाएं ज्यादातर बौद्ध गुफाओं की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- अजंता में उनतीस (29) गुफाएँ हैं।
- एलोरा में चौंतीस (34) बौद्ध, ब्राह्मण और जैन गुफाएँ हैं।

Q.9) सप्तमातृक (*saptamatrikas*) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सप्तमातृक बौद्ध धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है।
2. कदंब ताम्र पत्रों के साथ-साथ आरंभिक चालुक्य और पूर्वी चालुक्य ताम्र पत्रों में सप्तमातृक पूजा के संदर्भ हैं।
3. नागार्जुनकोंडा शिलालेख दक्षिण भारत का सबसे प्राचीन संस्कृत शिलालेख है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2

c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.9) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सप्तमातृक हिंदू धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है जो अपने संबंधित देवताओं की ऊर्जा को व्यक्त करती हैं। वे ब्राह्मणी (ब्रह्मा की पत्नी), महेश्वरी (शिव की पत्नी), कुमारी (कुमारी की पत्नी), वैष्णवी (विष्णु की पत्नी), वराही (वराह की पत्नी, या वर, विष्णु का अवतार [अवतार)), इंद्राणी (इंद्र की पत्नी), और चामुंडा, या यामी (यम की पत्नी) है।	कदंब ताम्र पत्रों के साथ-साथ आरंभिक चालुक्य और पूर्वी चालुक्य ताम्र पत्रों में सप्तमातृक पूजा के संदर्भ हैं।	सभी उपलब्ध साक्ष्यों ने यह साबित कर दिया है कि 207 ई. में जारी सातवाहन राजा विजया का आंध्र प्रदेश में चेबरोलू शिलालेख दक्षिण भारत का अब तक का सबसे प्राचीनतम संस्कृत शिलालेख है। अब तक 4 वीं शताब्दी में जारी इक्ष्वाकु राजा एहवाल चंटमुला के नागार्जुनकोंडा शिलालेख को दक्षिण भारत में सबसे प्राचीन संस्कृत शिलालेख माना जाता था।

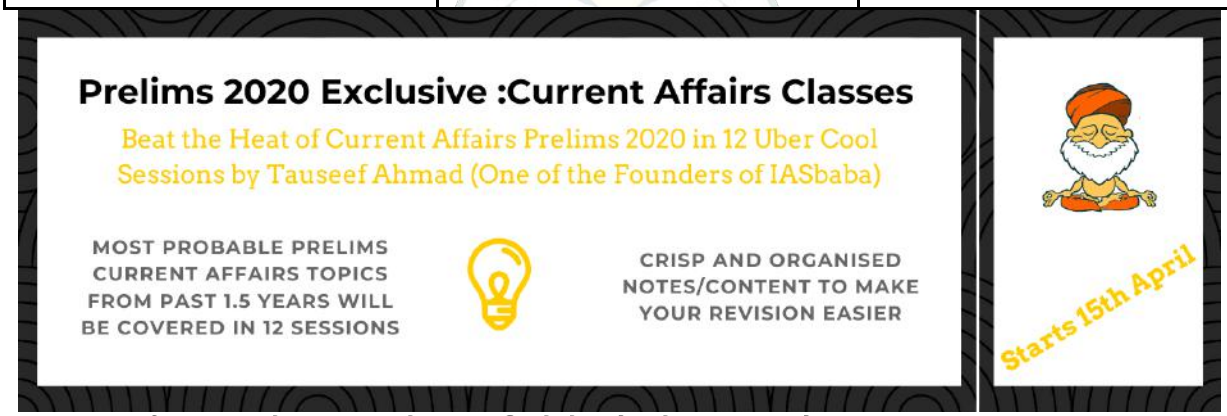

Q.10) प्राचीन भारत में गुप्त काल के गुफा चित्रों के कौन से उदाहरण हैं?

1. बाघ
2. कार्ले
3. अजंता
4. भज
5. एलोरा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 3 और 5
d) केवल 1, 2, 4 और 5

Q.10) Solution (a)

- प्राचीन भारत के गुप्त काल में गुफा चित्रकारी के केवल दो ज्ञात उदाहरण देखे गए। गुफा चित्र मध्य प्रदेश में बाघ गुफाओं और महाराष्ट्र में अजंता गुफाओं में पाए जाते हैं।

Q.11) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

दक्षिण भारत के मंदिर	निर्माता
1. मीनाक्षी मंदिर, मदुरै	पंड्या
2. तटीय मंदिर, महाबलीपुरम	पल्लव
3. विरुपाक्ष मंदिर, पट्टडकल	राष्ट्रकूट

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.11) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
मीनाक्षी मंदिर या मीनाक्षी-सुंदरेश्वर मंदिर, एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर है जो तमिलनाडु के मंदिर शहर मदुरई में वैगई नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। मीनाक्षी मंदिर का निर्माण राजा कुलशेखर पंड्या (1190-1216 ई.) ने करवाया था। मीनाक्षी मंदिर में विश्व का सबसे ऊंचा गोपुरम है। गोपुरम की कला नायक शैली में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई थी।	मामल्लापुरम में तटीय मंदिर और कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर पल्लव राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय या राजसिम्हा (695 -722 ई.) के शासनकाल के दौरान बनाए गए थे।	पट्टुडक्कल में विरुपाक्ष मंदिर और संगमेश्वर मंदिर अपनी द्रविड़ शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर के मॉडल पर विरुपाक्ष मंदिर बनाया गया है। इसका निर्माण चालुक्य राजा विक्रमादित्य द्वितीय की रानियों में से एक ने किया था। कांची से लाए गए मूर्तिकारों को इसके निर्माण में लगाया गया था।

Q.12) भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, शब्द 'संधार', 'निरंधार' और 'सर्वतोभद्र' निम्नलिखित में से किसके साथ संबद्ध हैं?

a) मंदिर वास्तुकला
b) बौद्ध साहित्य
c) शिला-कृत गुफाएँ

d) शास्त्रीय संगीत

Q.12) Solution (a)

- प्रारंभिक ब्राह्मण मंदिरों में किसी एक देवता की प्रमुख प्रतिमा होती थी। ये मंदिर तीन प्रकार के होते थे - संधार प्रकार (बिना प्रदक्षिणापथ के), निरंधार प्रकार (प्रदक्षिणापथ के साथ), और सर्वतोभद्र (जिसमें सभी दिशाओं से पहुँचा जा सकता है)।
- कुछ महत्वपूर्ण प्रारंभिक मंदिर स्थल उत्तर प्रदेश में देवगढ़, मध्य प्रदेश के विदिशा के पास एरण, नचना-कुठार और उदयगिरि हैं। ये मंदिर एक साधारण संरचना हैं, जिसमें एक बरामदा, एक हॉल और पीछे एक मुख्य मंदिर होते है।

Q.13) निम्नलिखित में से कौन मौर्य मूर्तिकला परंपरा के उदाहरण हैं?

1. सारनाथ में सिंहचतुर्मुख स्तम्भशीर्ष (Lion Capital)
2. सारनाथ में बैठे हुए बुद्ध (Seated Buddha)
3. दीदारगंज यक्षिणी

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.13) Solution (b)

- सारनाथ में पाए गए मौर्य स्तम्भशीर्ष, जिसे सिंहचतुर्मुख स्तम्भशीर्ष (Lion Capital) के नाम से जाना जाता है, मौर्यकालीन मूर्तिकला परंपरा का सबसे अच्छा उदाहरण है। यह हमारा राष्ट्रीय प्रतीक भी है। इसे काफी सावधानी के साथ उकेरा गया है - चमकदार गर्जन शेर की आकृति एक वृत्ताकार अबेकस पर मजबूती से खड़ी हैं जो घोड़े, बैल, शेर और हाथी की आकृति के साथ हैं, सटीकता के साथ निष्पादित हुई हैं, जो मूर्तिकला तकनीकों में काफी महारत दिखाती हैं। । धम्मचक्रप्रवर्तन (बुद्ध द्वारा प्रथम उपदेश) का प्रतीक यह स्तंभशीर्ष बुद्ध के जीवन में इस महान ऐतिहासिक घटना का एक मानक प्रतीक बन गया है।
- आधुनिक पटना के पास दीदारगंज से चौरी (flywhisk) पकड़े यक्षिणी की आदमकद खड़ी आकृति मौर्य काल की मूर्तिकला परंपरा का एक और अच्छा उदाहरण है। इसे पटना संग्रहालय में रखा गया है, यह एक चमकदार सतह के साथ बलुआ पत्थर से बनी गोलाई में एक लंबी, अच्छी तरह से आनुपातिक, मुक्त खड़ी मूर्ति है।
- पांचवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सारनाथ से बैठे हुए बुद्ध की आकृति सारनाथ में संग्रहालय में रखी गई है। इसे चुनार के बलुआ पत्थर से बनाया गया है। बुद्ध को पद्मासन में एक सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है। यह मूर्तिकला के सारनाथ स्कूल का एक अच्छा उदाहरण है जो गुप्त काल के दौरान उभरा था।

Q.14) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मूर्तिकला (*Sculpture*)	गुफाएं
1. गजासुर शिव (Gajasura Shiva)	एलोरा

2. मारा विजय (Mara Vijaya)	अजंता
3. महेशमूर्ति (Maheshmurthi)	एलीफेंटा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (d)

- गुफा संख्या 15, एलोरा में गजासुर शिव की मूर्ति है।
- मार विजया का विषय अजंता की गुफाओं में चित्रित किया गया है। यह गुफा संख्या 26 की दाहिनी दीवार पर उकेरी गई एकमात्र मूर्तिकला है।
- एलिफेंटा में महेशमूर्ति की आकृति छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व की है। यह मुख्य गुफा मंदिर में स्थित है। पश्चिमी दक्कन की मूर्तिकला की परंपरा में, यह शिला गुफाओं में मूर्तिकला चित्र बनाने में गुणात्मक उपलब्धि का सबसे अच्छा उदाहरण है।

Q.15) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

संरचनाएं	अर्थ
1. हमाम	धार्मिक निर्देश देने का स्थान
2. सराय	यात्रियों के रुकने का स्थान
3. नक्कारखाना	ड्रम हाउस
4. खानकाह	घड़ी टावर (Watch towers)

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 2 और 3
b) केवल 1 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.15) Solution (a)

- **हमाम** - एक तुर्की स्नानागार जो सार्वजनिक स्नान का स्थान होता है।
- **सराय** - सराय काफी हद तक एक साधारण वर्गाकार या आयताकार योजना पर बनाया गया था तथा इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों, व्यवसायियों आदि को अस्थायी आवास प्रदान करना था।

- **नक़्क़ार ख़ाना** - ड्रम हाउस जहाँ से औपचारिक संगीत बजाया जाता था, जो आमतौर पर गेट के ऊपर स्थित होता था। मुगल महल-परिसरों में यह एक लोकप्रिय विशेषता थी।
- **खानकाह या रिबत (Khanqahs or Ribat) -** एक इमारत है जो विशेष रूप से सूफी भाईचारे या सूफी (tariqa) सभाओं के लिए बनाई गई है तथा यह आध्यात्मिक वापसी और चरित्र सुधार के लिए एक जगह है।

Q.16) नायक चित्रकला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह मामूली क्षेत्रीय संशोधनों और संयोजनों के साथ विजयनगर शैली का विस्तार है।
2. लेपाक्षी में दक्षिणामूर्ति की पेंटिंग इस शैली का एक अच्छा उदाहरण है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.16) Solution (a)

- सत्रहवीं और अट्ठारहवीं शताब्दी में नायक वंश की पेंटिंग तमिलनाडु के थिरुपरकुंरम, श्रीरंगम और तिरुवरूर में देखी जाती हैं। थिरुपरकुंरम में, पेंटिंग चौदहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के दो अलग-अलग कालखंडों में पाई जाती हैं। प्रारंभिक चित्र वर्धमान महावीर के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।
- नायक चित्र महाभारत और रामायण के प्रसंगों को दर्शाते हैं और कृष्ण-लीला के दृश्य भी दर्शाते हैं।
- तिरुवरुर में, मुचुकुंद की कहानी सुनाने वाला एक चित्रण है। चिदंबरम में, शिव और विष्णु से संबंधित कथाओं का वर्णन करने वाले चित्र हैं - जिसमें शिव के रूप में भिक्षाटन मूर्ति, मोहिनी के रूप में विष्णु हैं।
- आरकोट जिले के चेंगम में श्री कृष्ण मंदिर में रामायण की कहानी का वर्णन करते हुए 60 चित्र हैं, जो नायक चित्रों के अंतिम चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- ऊपर दिए गए उदाहरणों से पता चलता है कि **नायक चित्रों में मामूली क्षेत्रीय संशोधनों और समावेशन के साथ विजयनगर शैली का अधिकतर विस्तार था**। इसलिए कथन 1 सही है।
- ज्यादातर चित्रों में, आकृतियां एक समतल पृष्ठभूमि पर बनी होती हैं। विजयनगर के लोगों की तुलना में पुरुष आकृतियों को पतली कमर वाले लेकिन कम भारी पेट के साथ दिखाया गया है। पिछली शताब्दियों और निम्नलिखित परंपराओं के अनुसार कलाकार ने संचलन को प्रभावित करने और स्थान को गतिशील बनाने की कोशिश की है। तिरुवलंजलि में नटराज की पेंटिंग एक अच्छा उदाहरण है।
- लेपाक्षी, आंध्र प्रदेश में, शिव मंदिर की दीवारों पर विजयनगर चित्रों के शानदार उदाहरण हैं - शिव धनुष और तीर के साथ सूअर (Boar) का शिकार करते हुए, दक्षिणामूर्ति चित्र आदि। इसलिए कथन 2 गलत है।

Q.17) भारत-सारसेनिक वास्तुकला (Indo-Saracenic Architecture) में, निम्नलिखित में से कौन सी सजावटी शैली का उपयोग किया जाता है?

1. उच्च और निम्न झुकी हुई नक्काशी (High and low relief carving)
2. चौकोर (Tessellation)
3. जाली का उपयोग और सुलेख (Calligraphy)
4. दीवार की सतह पर रहने वाले जीवित रूपों का चित्रण
5. अरबस्क (Arabesque)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 1, 2, 3 और 5
c) केवल 2, 3 और 5
d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.17) Solution (b)

इंडो-सारासेनिक या इंडो-इस्लामिक वास्तुकला में इस्तेमाल किए जाने वाले सजावटी रूप

- इन रूपों में उत्कीर्णन या महीन चुने (stucco) के माध्यम से प्लास्टर पर डिजाइनिंग शामिल थी। डिजाइन या तो सादे थे या रंगों से कवर थे।
- रूपांकनों पर पेंटिंग या पत्थरों से नक्काशी भी की गई थी। इन रूपांकनों में फूलों की किस्में, दोनों उप-महाद्वीप और बाहर के स्थानों से, विशेष रूप से ईरान से, शामिल थीं। मेहराब के आंतरिक घटों में कमल की कली का अत्यधिक इस्तेमाल हुआ था।
- दीवारों को सरू, चिनार और अन्य पेड़ों के साथ-साथ फूलों और पत्तियों से भी सजाया गया था। फर्श को सजाने वाले फूल रूपांकनों के कई जटिल डिजाइन भी वस्त्र और कालीन पर पाए जाने थे।
- चौदहवीं, पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दियों में भी दीवारों और गुंबदों की सतह के लिए टाइल का उपयोग किया गया था। लोकप्रिय रंग नीले, फ़िरोज़ा, हरे और पीले थे।
- इसके बाद **चौकोर (मोज़ेक डिज़ाइन) और पित्रे ड्यूरा की तकनीकों** को विशेष रूप से दीवारों के पैनलों में सतह की सजावट के लिए उपयोग किया गया। कई बार लैपिस लज़ुली का उपयोग आंतरिक दीवारों या कैनोपियों पर किया जाता था।
- अन्य सजावट में **अरबस्क, सुलेख (calligraphy) तथा उच्च और निम्न झुकी हुई नक्काशी और जाली का एक विपुल उपयोग** शामिल था। उच्च झुकी नक्काशी में तीन आयामी रूप थे। मेहराब सादे और स्क्वाट (squat) थे और कभी-कभी उच्च और नुकीले होते थे।
- सोलहवीं शताब्दी के बाद से मेहराब को त्रिपर्णी (trefoil) या कई पत्थरों से बनाया गया था।
- छत केंद्रीय गुंबद और अन्य छोटे गुंबदों और छोटे मीनारों का मिश्रण था। केंद्रीय गुंबद एक उल्टे कमल के फूल आकृति और एक धातु या पत्थर के शिखर के साथ सबसे ऊपर था।
- हिंदुओं ने अपनी धार्मिक आस्था के अनुसार मूर्तियों और चित्रों को सजाया, जबकि इस्लाम ने किसी भी सतह पर जीवित रूपों के चित्रांकन के लिए मना किया, अपनी धार्मिक कला और वास्तुकला को विकसित किया जिसमें अरबस्क, ज्यामितीय पैटर्न तथा प्लास्टर और पत्थर पर सुलेख (calligraphy) की कला शामिल थी।

Q.18) नंदलाल बोस, एक कलाकार के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह बंगाल स्कूल कला के उल्लेखनीय चित्रकारों में से एक थे।
2. उन्हें भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित करने के लिए जाना जाता है।
3. वह ललित कला अकादमी के फैलो के रूप में चुने जाने वाले पहले कलाकार थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.18) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
बंगाल स्कूल को 1940-1960 में चित्रों की मौजूदा शैलियों के लिए एक प्रतिक्रियावादी दृष्टिकोण माना जाता है। बंगाल स्कूल का विचार 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में अबनिंद्रनाथ टैगोर की रचनाओं के साथ आया। नंदलाल बोस (1882 - 1966) अबनिंद्रनाथ टैगोर के शिष्य थे, और इस स्कूल के एक उल्लेखनीय चित्रकार थे।	बोस ने एक कर्मचारी के साथ चलते हुए गांधी जी का सफेद आधार प्रिंट पर एक काला चित्र बनाया जो अहिंसा आंदोलन के लिए प्रतिष्ठित छवि बन गया। उन्हें जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत सरकार के पुरस्कारों में भारत रत्न और पद्म श्री सहित प्रतीक को चित्रित करने के लिए कहा गया था। **उन्हें भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित करने के लिए भी जाना जाता है।**	वह वर्ष 1956 में ललित कला अकादमी, भारत की राष्ट्रीय कला अकादमी के फैलो के रूप में चुने जाने वाले **दूसरे कलाकार** बने। बंगाल स्कूल कला के जैमिनी रॉय 1955 में फैलो के रूप में चुने जाने वाले पहले कलाकार थे।

Q.19) पट्टचित्र चित्रकला (Pattachitra paintings) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह ओडिशा की एक पारंपरिक दीवार-आधारित स्क्रॉल पेंटिंग है।
2. कलाकार प्रारंभिक चित्र के लिए एक पेंसिल या लकड़ी के कोयला का उपयोग करते थे।
3. पेंट में प्रयुक्त सामग्री सब्जी, पृथ्वी सामग्री और खनिज स्रोतों से लिए जाते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

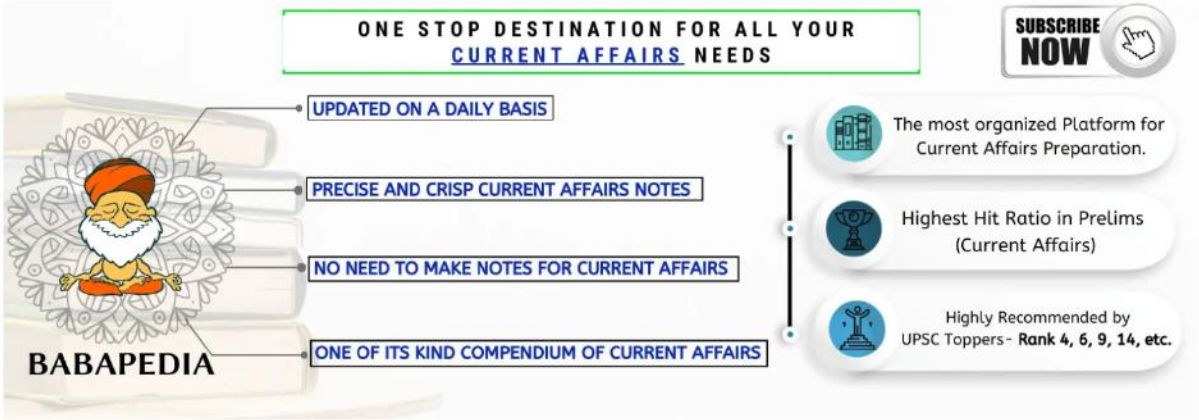

Q.19) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य

पट्टचित्र पेंटिंग्स ओडिशा की एक पारंपरिक कपड़ा-आधारित स्क्रॉल पेंटिंग है, जो अपने चित्रात्मक अवधारणा, पेंटिंग की तकनीक, रेखा निर्माण और रंग योजना के कारण अपनी अनूठी जगह बनाती है। इन चित्रों को पारंपरिक रूप से महापात्रों द्वारा तैयार किया गया था, जो ओडिशा में एक मूल कलाकार जाति है।	**कलाकार प्रारंभिक चित्र के लिए एक पेंसिल या लकड़ी का कोयला का उपयोग नहीं करता है।** पट्टचित्र में, चित्रकला की सीमाओं को पहले पूरा करना एक परंपरा है। जब पेंटिंग पूरी हो जाती है तो इसे चारकोल की आग के ऊपर रखा जाता है तथा सतह पर लाख (lacquer) लगाया जाता है। यह पेंटिंग को प्रतिरोधी और टिकाऊ बनाता है, इसके अलावा यह एक चमकदार फिनिशिंग भी देता है।	भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा, कृष्ण लीला, भगवान विष्णु के अवतार, पंचतंत्र, पुराणों, रामायण-महाभारत और गीत गोविंद से पौराणिक और लोक कथाओं का चित्रण। **पेंट में प्रयुक्त सामग्री सब्जी, पृथ्वी सामग्री और खनिज स्रोतों से होती हैं।** कायथा के पेड़ का गोंद मुख्य घटक है, और इसका उपयोग विभिन्न रंजक बनाने के लिए आधार के रूप में किया जाता है।

Q.20) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. चेरियल चित्रकला - मध्य प्रदेश
2. मांडना चित्रकला - राजस्थान
3. पैटकर चित्रकला - झारखंड

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.20) Solution (b)

- **मांडना पेंटिंग राजस्थान और मध्य प्रदेश भारत में दीवार और फर्श की पेंटिंग हैं।** मांडना घर और चूल्हा की रक्षा के लिए तैयार की जाती हैं, घर में देवताओं का स्वागत के लिए और उत्सव के अवसरों पर उत्सव के प्रतीक के रूप में बनायी जाती हैं। राजस्थान के सवाई माधोपुर क्षेत्र की गाँव की महिलाओं के पास सही समरूपता और सटीकता के डिजाइन के विकास के लिए कौशल है। जमीन को गाय के गोबर से रति, स्थानीय मिट्टी और लाल गेरू से तैयार किया जाता है। नीबू या चाक पाउडर का उपयोग आकृति बनाने के लिए किया जाता है। नियोजित उपकरण कपास का एक टुकड़ा, बालों का एक गुच्छेदार, या खजूर की झाड़ (date stick) से बना एक अल्पविकसित ब्रश होता है। डिजाइन में गणेश, मोर, काम करती महिलाएं, बाघ, पुष्प आकृति आदि बनाये जाते हैं
- झारखंड के पूर्वी हिस्से में स्थित अमदुबी गाँव को पैटकर का गाँव भी कहा जाता है। 'पैटकर' इस गांव की पारंपरिक पेंटिंग है, जो एक कला का रूप है जो प्राचीन काल से गांव में मौजूद है। **पैटकर चित्रों को झारखंड के स्क्रॉल चित्रों के रूप में भी जाना जाता है।** यह चित्रकला रूप पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा और भारत के अन्य आस-पास के राज्यों में लोकप्रिय है। झारखंड के आदिवासी कलाकारों ने स्क्रॉल पेंटिंग की इस कला को बढ़ावा दिया है जिसका उपयोग लंबे समय से कहानी कहने और सामाजिक-धार्मिक रीति-रिवाजों में किया जाता रहा है। इस रूप से संबंधित चित्रों में मृत्यु के बाद मानव जीवन के साथ क्या होता है, इसका एक सामान्य विषय है। यह स्क्रॉल पेंटिंग बंगाली और झारखंडी दैनिक जीवन को भी प्रतिबिंबित करती है। पैटकर चित्रकला के ऐतिहासिक

काल का पता पश्चिम बंगाल राज्य से जुड़ी संस्कृति से लगाया जा सकता है, लेकिन अब कला केवल अमदुबी गाँव में प्रचलित है। पैटकर चित्रकला को पट्ट चित्रकला से व्युत्पन्न माना जा सकता है।

- **चेरियल स्क्रॉल पेंटिंग,** नकाशी कला का एक शैलीगत संस्करण है, जो स्थानीय रूपांकनों में **तेलंगाना** के अद्वितीय गुणों से भरपूर है। वे वर्तमान में केवल हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में बनाई जाती हैं।

Q.21) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

क्षेत्रीय संगीत	क्षेत्र या राज्य
1. छकरी (Chhakri)	कश्मीर
2. लमन (Laman)	उत्तराखंड
3. पंडवानी	छत्तीसगढ़

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.21) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	असत्य	सत्य
छकरी, कश्मीर: छकरी एक समूह गीत है जो कश्मीर के लोक संगीत की एक सर्वाधिक लोकप्रिय शैली है। यह नूत (मिट्टी का बर्तन), रबाब, सांरगी आरैर तुम्बाकनरी (ऊँची गर्दन वाला मिट्टी का एक बर्तन), के साथ गाया जाता है।	लमन, हिमाचल प्रदेश: 'लमन'में बालिकाओं का एक समूह, एक छन्द गाता है और लड़कों का एक समूह गीत के जरिए उत्तर देता है। यह घन्टों तक चलता है। यह रुचिकर इसलिए है कि इसमें लड़कियां पहाड़ की चोटी पर गाते हुए शायद ही दूसरी चोटी पर गाने वाले लड़कों का मुख देखती हैं। बीच में पहाड़ होता है जहाँ प्रेम गीत गूँजता है। इनमें से अधिकांश गीत विशेष रूप से कुल्लू घाटी में गाए जाते हैं।	पंडवानी, छत्तीसगढ़: पंडवानी में, महाभारत से एक या दो घटनाओं को चुन कर कथा के रूप में निष्पादित किया जाता है। मुख्य गायक पूरे निष्पादन के दौरान सतत रूप से बैठा रहता है और सशक्त गायन व सांकेतिक भंगिभाओं के साथ एक के बाद एक सभी चरित्रों की भाव-भंगिमाओं का अभिनय करता है।

Q.22) निम्नलिखित पर विचार करें:

1. जवाली (Javali)
2. टप्पा
3. धामर (Dhamar)
4. कीर्तनम (Kirtanam)
5. तिल्लना (Tillana)

उपरोक्त में से कौन से रूप कर्नाटक संगीत के हैं?

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 1, 4 और 5
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 3, 4 और 5

Q.22) Solution (b)

कर्नाटक संगीत के संगीत रूप (Musical forms of Carnatic Music):

- गीतम (Gitam): यह राग के आसान और मधुर प्रवाह के साथ सबसे सरल प्रकार की रचना है।
- सुलाड़ी (Suladi): सुलाड़ी एक तालमालिका है, जो अलग-अलग ताल में होने वाले खंड होते हैं।
- स्वराजति (Svarajati): इसमें तीन खंड होते हैं, जिन्हें पल्लवी, अनुपल्लवी और चरणम कहा जाता है। विषय या तो भक्तिपूर्ण है, वीर या अमोघ होते हैं।
- जतिसावरम (Jatisavaram): यह लयबद्ध उत्कृष्टता और जाति पैटर्न के उपयोग के लिए जाना जाता है।
- वर्णम (Varnam): यह एकमात्र रूप है जिसका हिंदुस्तानी संगीत में एक समकक्ष नहीं मिलता है। इस रूप को वर्णम कहा जाता है क्योंकि प्राचीन संगीत में 'वर्ण' नामक स्वर समूह के कई पैटर्न इसकी बनावट में परस्पर जुड़े हुए हैं।
- कीर्तनम (Kirtanam): यह भक्ति सामग्री या साहित्य के भक्ति भाव के लिए मूल्यवान है।
- कृति (Kriti): यह कीर्तनम से विकसित हुई। यह एक अत्यधिक विकसित संगीत रूप है।
- पडा (Pada): पडा तेलगु और तमिल में विद्वानों की रचनाएँ हैं और मुख्य रूप से नृत्य के रूप में रचित हैं।
- तिल्लना (Tillana): यह हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है, एक छोटा और संक्षिप्त रूप है। यह मुख्य रूप से, इसके तेज और आकर्षक संगीत के कारण एक नृत्य शैली है।
- जवाली (Javali): एक जावली प्रकाश शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र से संबंधित एक रचना है। कॉन्सर्ट कार्यक्रमों और नृत्य संगीत समारोहों में गाया जाता है, जावालियों को आकर्षक धुनों के कारण लोकप्रिय बनाया जाता है जिसमें वे संगीतबद्ध होते हैं।

- पल्लवी (Pallav): यह रचनात्मक संगीत की सबसे महत्वपूर्ण शाखा है। यह उन्नत करने की व्यवस्था की अनुमति देता है।

- हिंदुस्तानी संगीत में ध्रुपद, ख्याल, टप्पा, चतुरंग, तराना, सरगम, ठुमरी और रागसागर, होरी और धामर जैसे गायन की दस प्रमुख शैलियाँ हैं।

Q.23) कुटियाट्टम कला के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. यह केरल का एक पारंपरिक संस्कृत प्रदर्शन कला नृत्य है।
2. कुटियाट्टम में नांगियार कुथु, पुरुष प्रदर्शन का एकल खंड है।
3. इसे यूनेस्को ने 'मानवता की मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृति' के रूप में मान्यता दी है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.23) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
कुटियाट्टम केरल के सबसे पुराने पारंपरिक थिएटर रूपों में से एक है तथा यह संस्कृत रंगमंच परंपराओं पर आधारित है। इसकी शैलीबद्ध और संहिताबद्ध रंगमंचीय भाषा में, नेत्र अभिनय (आंख की अभिव्यक्ति) और हस्स अभिनय (इशारों की भाषा) प्रमुख हैं। वे मुख्य चरित्र के विचारों और भावनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।	यह पारंपरिक रूप से कुट्टमपालम नामक सिनेमाघरों में किया जाता है, जो हिंदू मंदिरों में स्थित होते हैं। कुटियाट्टम का प्रदर्शन पुरुष अभिनेताओं के समुदाय द्वारा किया जाता है, जिन्हें चकयार कहा जाता है और महिला कलाकारों को नांगियार कहा जाता है, जिन्हें नंबियार नामक ड्रमर द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पकरनट्टम कुटियट्टम का एक पहलू है जिसमें पुरुष और महिला भूमिकाओं को शामिल करना तथा भावनात्मक रूप से शामिल करना शामिल है। कुटियाट्टम में नांगियार कुथु महिला प्रदर्शन का एकल खंड है।	इसे यूनेस्को ने 'मानवता की मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृति' के रूप में मान्यता दी है।

Q.24) निम्नलिखित कैलेंडर प्रकारों पर विचार करें:

1. विक्रम संवत
2. शक संवत
3. हिजरी कैलेंडर
4. ग्रेगोरियन कैलेंडर

इनमें से कौन से कैलेंडर, सौर कैलेंडर हैं?

a) केवल 2 और 4
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3, 2 और 4
d) केवल 1, 2 और 4

Q.24) Solution (a)

भारत में, चार प्रकार के कैलेंडर का पालन किया जाता है:

- **विक्रम संवत:** विक्रम युग ईसाई युग से 56 वर्ष पहले आरंभ हुआ था, यानी लगभग 56 ईसा पूर्व और बंगाल के क्षेत्र को छोड़कर लगभग पूरे भारत में लागू है। इतिहासकारों का मानना है कि यह युग उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था, जो शक शासकों पर अपनी जीत का स्मरण करते हैं। यह प्राचीन हिंदू कैलेंडर पर आधारित एक चंद्र कैलेंडर है।
- **शक संवत:** इस कैलेंडर रूप की शुरुआत राजा शालिवाहन ने 78 ईस्वी में की थी। यह शक युग के रूप में भी जाना जाता था क्योंकि यह इस जनजाति का था, जिससे शालिवाहन संबंध रखता था। शक कैलेंडर चंद्र महीने और सौर वर्ष के साथ **चंद्र-सौर (Luni-solar)** है।
- **हिजरी कैलेंडर:** इस कैलेंडर में अरबी मूल है। पहले इसे आमुलफ़ील के रूप में कहा जाता है, यह पैगंबर मोहम्मद की मृत्यु के बाद, इनकी हिजरत मक्का से मदीना में को मनाने के लिए, जो उनके जीवन के 52 वें वर्ष में 622 ईस्वी में हुआ था, हिजरी आरंभ हुआ, यह वर्ष हिजरी युग के लिए शून्य वर्ष बन गया। इस कैलेंडर के अंतर्गत एक चंद्र वर्ष है और इसे 12 महीनों में विभाजित किया जाता है, एक वर्ष में 354 दिन।
- **ग्रेगोरियन कैलेंडर:** यह कैलेंडर ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह के जन्मदिन पर आधारित है। यह जनवरी के पहले दिन से शुरू होने वाला एक सौर वर्ष है और इसमें 365 दिन, 5 घंटे, 48 मिनट और 46 सेकंड शामिल हैं।

Q.25) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक (*Block Printing Techniques*)	**धरोहर**
1. बगरू (Bagru)	राजस्थान
2. बाघ (Bagh)	मध्य प्रदेश
3. अजरख (Ajrakh)	महाराष्ट्र

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.25) Solution (a)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग राजस्थन के बगरू गांव में चिप्पा समुदाय द्वारा किए गए प्राकृतिक रंग के साथ मुद्रण की एक पारंपरिक तकनीक है। परंपरागत रूप से, बगरू में मुद्रित रूपांकनों को बोल्ड लाइनों के साथ बड़ा किया जाता है।	बाघ प्रिंट एक पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प है जो मध्य प्रदेश के धार जिले के बाघ में उत्पन्न होता है। इस प्रक्रिया में हाथ से मुद्रित लकड़ी के ब्लॉक रिलीफ प्रिंट की विशेषता होती है जो प्राकृतिक रूप से पिग्मेंट और डाई के साथ होता है।	अजरख एक ब्लॉक-प्रिंटेड टेक्सटाइल है जो नील (indigo) और मजीठ (madder) सहित प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए रंगे हुए है। यह गुजरात के कच्छ में खत्री समुदाय द्वारा बनाया गया है तथा इसके रंग- लाल के साथ नीला - और इसके जटिल ज्यामितीय और पुष्प पैटर्न द्वारा प्रतिष्ठित है।

Q.26) विभिन्न भाषाओं में महिला लेखकों के योगदान पर, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लाल देद, संस्कृत में 'वत्सुन या वक्ष' नामक रहस्यवादी कविता की शैली की निर्माता थीं।
2. मीरा बाई ने तीन भाषाओं यानी गुजराती, राजस्थानी और हिंदी में लिखा।
3. अक्कामहादेवी (Akkamahadevi) ने कन्नड़ में लिखा तथा अव्वाईयर (Avvayyar) ने तेलुगु में लिखा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.26) Solution (b)

- उस अवधि के दौरान विभिन्न भाषाओं में महिला लेखकों का योगदान विशेष ध्यान देने योग्य है। महिला लेखक, घोषा, लोपामुद्रा, गार्गी, मैत्रेयी, अपाला, रोमाशा ब्रह्मवादिनी, आदि, वेदों के दिनों से ही (6000 ई.पू. - 4000 ई.पू.), मुख्यधारा की संस्कृत साहित्य में महिलाओं की छवि पर केंद्रित थीं।
- पाली में मुत्ता और उबबिरि और मेट्टिका जैसे बौद्ध भिक्षुणी (6 ठी शताब्दी ई.पू.) के गीत पीछे छूट गए जीवन के लिए भावनाओं की पीड़ा को व्यक्त करते हैं। अलवर की महिला कवियों (6 वीं शताब्दी ई.) ने अंडाल और अन्य की तरह, परमात्मा के प्रति अपने प्रेम की अभिव्यक्ति दी।
- **लाल देद (1320-1384),** कश्मीर की मुस्लिम कवयित्री, वत्सुन या वक्ष नामक रहस्यवादी काव्य की शैली की रचनाकार थीं, जिसका शाब्दिक अर्थ "वाक्" (आवाज) है। लाल वक्ष के रूप में विख्यात, उनके छंद कश्मीरी भाषा की शुरुआती रचनाएँ हैं तथा आधुनिक कश्मीरी साहित्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए कथन 1 गलत है।
- मीरा बाई, गुजराती, राजस्थानी और हिंदी में (उन्होंने तीन भाषाओं में लिखीं), तमिल में अववयार, और कन्नड़ में अक्कामहादेवी, अपनी सरल गीतात्मक तीव्रता और केंद्रित भावनात्मक अपील के लिए जानी जाती हैं। कथन 3 गलत है क्योंकि अववयार ने तमिल साहित्य में योगदान दिया।

Q.27) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति वैदिक काल में हुई, जबकि कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के दौरान हुई।
2. हिंदुस्तानी संगीत राग-आधारित (raga based) है जबकि कर्नाटक संगीत कृति- आधारित (kriti-based) है।
3. हिंदुस्तानी संगीत में समरूपता (homogenous) है तथा कर्नाटक संगीत में एक विषम (heterogeneous) भारतीय परंपरा है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.27) Solution (c)

कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत के बीच अंतर

- कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति दक्षिण भारत में हुई जबकि हिंदुस्तानी संगीत उत्तर भारत में। हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति वैदिक काल में हुई, जबकि कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के दौरान हुई। इस प्रकार दोनों का धर्म से बड़ा संबंध है।
- हिंदुस्तानी संगीत राग आधारित है जबकि कर्नाटक कृति-आधारित है। हिन्दुस्तानी शुद्ध स्वर बनाम कर्नाटक गमका आधारित रागों पर जोर देते हैं।
- यह माना जाता है कि 13 वीं शताब्दी से पहले भारत का संगीत कमोबेश एक समान था। हिंदुस्तानी वैदिक, इस्लामी और फारसी परंपराओं के साथ संश्लेषण करता है। कर्नाटक तुलनात्मक रूप से अछूता और मूल रूप से विकसित है।
- कर्नाटक संगीत में समरूपता है और हिंदुस्तानी संगीत में एक विषम भारतीय परंपरा है। इसलिए कथन 3 गलत है।
- कर्नाटक संगीत में अधिक धर्मनिरपेक्ष हिंदुस्तानी परंपराओं की तुलना में संयमित और बौद्धिक चरित्र है।

Q.28) भारत में किसी भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' घोषित करने के लिए, निम्नलिखित में से कौन सा मापदंड पूरा करना होता है?

1. इसने 2500 वर्षों की अवधि का इतिहास दर्ज किया हो।
2. साहित्यिक परंपरा मूल होनी चाहिए तथा दूसरे भाषाई समुदाय से उधार नहीं ली गयी होनी चाहिए।
3. इसके प्राचीन ग्रंथ बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माने जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.28) Solution (c)

- संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, शास्त्रीय भाषा के रूप में वर्गीकरण के लिए विचार की जाने वाली भाषाओं की पात्रता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित मानदंड निर्धारित किए गए थे:
    - 1500-2000 वर्षों की अवधि में इसके प्रारंभिक ग्रंथों / दर्ज इतिहास की उच्च प्राचीनता; इसलिए कथन 1 गलत है।
    - प्राचीन साहित्य / ग्रंथों का एक निकाय, जिसे बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है;
    - साहित्यिक परंपरा मूल है और दूसरे भाषण समुदाय से उधार नहीं ली गई है;
    - शास्त्रीय भाषा और साहित्य आधुनिक से अलग होने के कारण, शास्त्रीय भाषा और इसके बाद के रूपों या इसके दोषों के बीच एक असंतोष भी हो सकता है। "
- शास्त्रीय भाषा में अर्जित लाभ हैं:
    - शास्त्रीय भाषाओं में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है।
    - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) इन भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत करता है तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शास्त्रीय भाषाओं के लिए एक निश्चित संख्या में प्राध्यापक नियुक्त करता है।
    - शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में प्रख्यात विद्वानों के लिए दो प्रमुख वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाते हैं।

- वर्तमान में, छह भाषाओं को 'शास्त्रीय' स्थिति का आनंद मिलता है: तमिल (2004 में घोषित), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और ओडिया (2014)।

Q.29) निम्नलिखित में से किस शास्त्रीय नृत्य को 'गतिशील मूर्तिकला' (Mobile Sculpture) के नाम से भी जाना जाता है?

a) कुचिपुड़ी
b) ओडिसी
c) कथकली
d) सत्रिया नृत्य

Q.29) Solution (b)

- उदयगिरि-खंडगिरि की गुफाएँ ओडिसी नृत्य के आरंभिक उदाहरण हैं। नृत्य रूप का नाम नाट्य शास्त्र में उल्लिखित 'ओड्रा नृत्य' से लिया गया है।
- यह मुख्य रूप से 'महारों' द्वारा प्रचलित था तथा जैन राजा खारवेल द्वारा संरचित था। इस क्षेत्र में वैष्णववाद के आगमन के साथ, महारी प्रणाली अयोग्य हो गई। इसके बजाय, युवा लड़कों को भर्ती किया गया और कला के रूप को जारी रखने के लिए महिलाओं के रूप में कपड़े पहने। उन्हें 'गोटीपुआ' के नाम से जाना जाने लगा। इस कला का एक और प्रकार, 'नर्तला' शाही दरबारों में प्रचलित रहा।
- ओडिसी की कुछ विशेषताएं हैं:
    - यह भावनाओं को व्यक्त करने के लिए मुद्रा और मुद्राओं के उपयोग में भरतनाट्यम के समान है।
    - 'त्रिभंगा' और 'चौक' दो मूल मुद्राएँ हैं।
    - नृत्य के दौरान, निचला शरीर काफी हद तक स्थिर रहता है और धड़ की गति होती है। हाथ के इशारे नृत्य भाग के दौरान भाव व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
    - गरिमा, कामुकता और सुंदरता का प्रतिनिधित्व करते हुए ओडिसी नृत्य शैली अद्वितीय है।
    - नर्तक उसके शरीर के साथ जटिल ज्यामितीय आकार और पैटर्न बनाते हैं। इसलिए, इसे 'गतिशील मूर्तिकला' के रूप में जाना जाता है।

Q.30) कठपुतली के निम्नलिखित रूपों पर विचार करें:

1. यमपुरी (Yampuri)
2. थोलपावकुथु (Tholpavakoothu)
3. रावण छाया (Ravanachaya)
4. पुतुल नाच (Putul Nauch)
5. तोगलु गोमबेयेट्टा

भारत में निम्नलिखित में से कौन छाया कठपुतली (shadow puppetry) के प्रकार हैं?

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 2, 3 और 5
c) केवल 1, 3 और 4
d) केवल 2, 3, 4 और 5

Q.30) Solution (b)

विभिन्न कठपुतली रूप:

स्ट्रिंग कठपुतली (String Puppetry)	**छाया कठपुतली (Shadow Puppetry)**
गोम्बियट्टा (कर्नाटक)	**तोगलू गोम्बियट्टा (कर्नाटक)**
बोम्मलट्टम (तमिलनाडु)	**थोलू बोम्मलता (आंध्र प्रदेश)**
कठपुतली (राजस्थान)	**थोलपावकुथु (केरल)**

कुंधई (ओडिशा)	**रावण छाया (ओडिशा)** 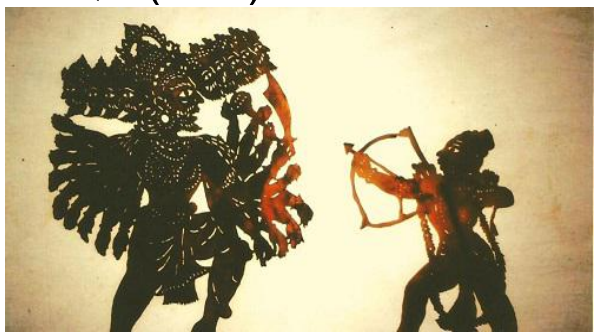
रॉड कठपुतली (Rod Puppetry)	**दस्ताना कठपुतली (Glove Puppetry)**
पुतुल नाच (पश्चिम बंगाल)	पावाकुथु (केरल)
यमपुरी (बिहार)	

Q.31) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

लोक कला	धरोहर
1. कलमकारी	तमिलनाडु
2. ग्रामिया कलाई (Gramiya Kalai)	आंध्र प्रदेश
3. ऐपन (Aipan)	उत्तराखंड

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.31) Solution (b)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
कलमकारी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए, इमली की कलम से सूती या रेशमी कपड़े पर की जाने वाली हाथ की पेंटिंग है।	ग्रामिया कलाई तमिलनाडु की एक लोक कला है।	ऐपन (Aipan) कुमाऊँ, उत्तराखंड की पारंपरिक कला (चित्रकला रूप) में से एक है। इसका बड़ा सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

है।

Q.32) भारत के निम्नलिखित मार्शल आर्ट को उत्पत्ति स्थान के साथ मिलान करें:

1. कलारिपयाट्टू (Kalaripayattu)	तमिलनाडु
2. सिलम्बम (Silambam)	केरल
3. चेबी गद-गा (Cheibi Gad-ga)	बिहार
4. परि-खंड (Pari-Khanda)	मणिपुर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 – A ; 2 – B ; 3 – C ; 4 – D
b) 1 – A ; 2 – B ; 3 – D ; 4 – C
c) 1 – B ; 2 – A ; 3 – C ; 4 – D
d) 1 – B ; 2 – A ; 3 – D ; 4 – C

Q.32) Solution (d)

कलारीपयट्टु, **Kerala**	सिलंबम, **Tamil Nadu**
चेबी गद-गा, **Manipur**	परि-खंड, **Bihar**

- कलारीपयट्टु को केवल कलारी के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय मार्शल आर्ट और युद्ध शैली है, जिसकी उत्पत्ति आधुनिक केरल में हुई थी।
- सिलंबम एक हथियार आधारित भारतीय मार्शल आर्ट है जो भारतीय उपमहाद्वीप में आधुनिक तमिलनाडु में उत्पन्न हुई है और लगभग 1000 ईसा पूर्व में उत्पन्न होने का अनुमान है। इस प्राचीन युद्ध शैली का उल्लेख तमिल संगम साहित्य 400 ई.पू मिलता है .
- मणिपुर की सबसे प्राचीन मार्शल आर्ट में से एक, चेबी गद-गा में तलवार और ढाल का उपयोग करके लड़ाई करना शामिल है। इसे अब एक तलवार और चमड़े की ढाल के स्थान पर नरम चमड़े में संलग्न छड़ी के लिए संशोधित किया गया है।
- राजपूतों द्वारा बनाया गया परि-खंड, बिहार में मार्शल आर्ट का एक रूप है। इसमें तलवार और ढाल का इस्तेमाल करके लड़ाई करना शामिल है। अभी भी बिहार के कई हिस्सों में प्रचलित है, छऊ नृत्य में इसके चरणों और तकनीकों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वास्तव में यह मार्शल आर्ट छऊ नृत्य का आधार है जिसमें इसके सभी तत्व अवशोषित होते हैं। इस मार्शल आर्ट के नाम में दो शब्द हैं, 'परि' जिसका अर्थ है ढाल जबकि 'खंड' तलवार को संदर्भित करता है, इस प्रकार इस कला में तलवार और ढाल दोनों का उपयोग होता है।
- सही मिलान कलारीपयट्टू (केरल) है; सिलंबम (तमिलनाडु); चेबी गाद-गा (मणिपुर); परि-खंड (बिहार)।

Q.33) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

लोक नृत्य	धरोहर
1. काकसर (Kaksar)	ओडिशा
2. रास	गुजरात
3. कोली	महाराष्ट्र

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) इनमें से कोई नहीं

Q.33) Solution (a)

- भारत में लोक नृत्य उस समुदाय की संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां से यह उत्पन्न हुआ था।
- लोक नृत्य आमतौर पर संबंधित समुदाय के उत्सव के दौरान किए जाते हैं- प्रसव, त्योहार, विवाह आदि।

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
काक्सर लोक नृत्य: यह छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अबूझमरिया जनजाति द्वारा किया जाता है, ताकि देवता का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके तथा एक समृद्ध फसल का आनंद लिया जा सके। यह नर्तकियों को एक ही नृत्य मंडली से अपने जीवन साथी चुनने की अनुमति देता है।	रास, डांडिया रास के रूप में लोकप्रिय गुजरात के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। कृषि गतिविधियों से जुड़े, इसे किसानों का व्यावसायिक नृत्य कहा जा सकता है। डांडिया रास अपना नाम डांडिया से लेता है, लकड़ी की एक जोड़ी, जिससे समय चिह्नित किया जाता था।	कोली महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय नृत्य रूपों में से एक है जो महाराष्ट्र के मछुआरे लोग - कोली से अपना नाम प्राप्त करता है। ये मछुआरे अपनी अलग पहचान और जीवंत नृत्य के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके नृत्यों में उनके व्यवसाय के तत्व शामिल हैं जो मछली पकड़ रहे हैं।

Q.34) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

उत्तर पूर्व के त्यौहार	जनजातीय समूह
1. म्योको (Myoko)	मिश्मी
2. वांग्ला (Wangala)	गारो
3. मोत्सु मोंग (Moatsu Mong)	रेंगमा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.34) Solution (b)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
अपातानी गांवों में निवास करने वाले कई जनजातियों द्वारा म्योको उत्सव मनाया जाता है। यह इन गांवों के बीच एकजुटता और मित्रता की भावना को बनाए रखने के बारे में है। म्योको त्योहार आठ अपातानी ग्रामीणों द्वारा एक रोटेशन आधार पर मनाया जाता है। 	प्रमुख गारो जनजाति मुख्य रूप से मेघालय में वांगला उत्सव मनाती है। त्योहार सर्दियों की शुरुआत को इंगित करता है और फसल के बाद के मौसम के लिए एक संकेत के रूप में मनाया जाता है। 	नागालैंड में **एओ जनजाति (Ao tribe)** के मोत्सु मोंग त्योहार बुवाई के मौसम के पूरा होने का प्रतीक है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम है जो प्रत्येक वर्ष 1 मई से 3 मई तक मनाया जाता है। मोत्सु मोंग एक बहुत ही रंगीन उत्सव है और समृद्ध नागा संस्कृति का भी प्रतीक है।

Q.35) रानी-की-वाव के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह रानी उदयमति द्वारा निर्मित एक महल है जो सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम के स्मारक के रूप में है।
2. यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जो सरस्वती के तट पर, पाटन, गुजरात में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.35) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
रानी-की-वाव को रानी उदयमति द्वारा सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम के स्मारक के रूप में बनाया गया है। यह 11 वीं शताब्दी की **बावड़ी (एक**	यह सरस्वती के तट पर, पाटन, गुजरात स्थित है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत एक संरक्षित स्मारक है और सांस्कृतिक स्थल पर यूनेस्को की मूर्त

महल नहीं) है तथा गुजरात में बावड़ी के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। यह सात मंजिला है जिसमें पाँच मौजूद हैं और 800 से अधिक विस्तृत मूर्तियां हैं जो बची हुई हैं।	विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भारत के अंतर्गत सूचीबद्ध है।

Q.36) 'मोहिनीअट्टम' (Mohiniyattam) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसकी उत्पत्ति का पता तमिलनाडु के मंदिरों से लगाता है।
2. यह एक शास्त्रीय एकल नृत्य है, जो केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है।
3. यह हल्के चेहरे के भावों के साथ हाथ के इशारों और मुखाभिनय पर जोर देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.36) Solution (c)

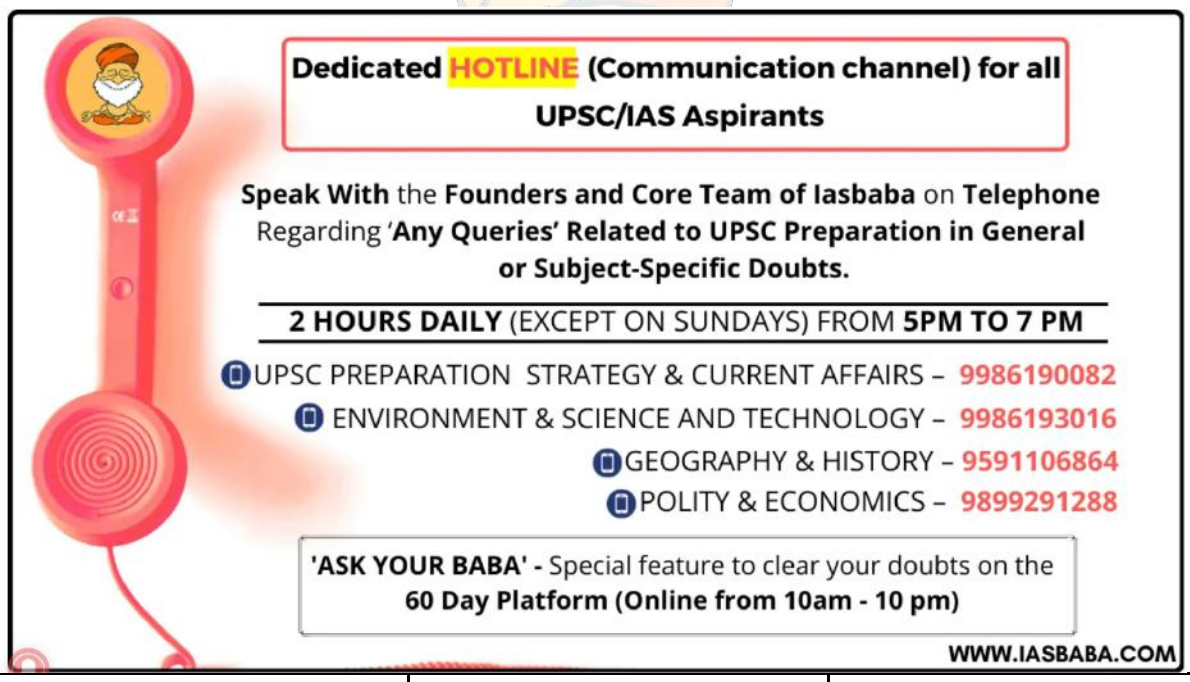

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
मोहिनीअट्टम का शाब्दिक अर्थ हिंदू पौराणिक कथाओं के आकाशीय जादू 'मोहिनी' के नृत्य के रूप में है। एक पुराण कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने समुद्र के मंथन	यह केरल का शास्त्रीय एकल नृत्य रूप है, जो पुरुष और महिला दोनों द्वारा किया जाता है। महिला मंदिर नर्तकियों के एक समुदाय के अस्तित्व को साबित करने के साक्ष्य	मोहिनीअट्टम की विशेषता सुंदर, बिना किसी झटके या अचानक छलांग के साथ शरीर की गतिविधियों का संचालन है। यह लास्य शैली का है जो स्त्रीलिंग,

और भस्मासुर के वध के प्रकरण के संबंध में, असुरों को लुभाने के लिए एक 'मोहिनी' का भेष धारण किया था। केरल के मंदिरों से इसकी उत्पत्ति का पता चलता है।	हैं, जिन्होंने मंदिर के पुजारियों द्वारा मंत्रों के साथ अभिव्यक्त इशारों को जोड़कर मंदिर के अनुष्ठानों की सहायता की।	कोमल और सुडौल है। पैर की क्रिया थकाऊ नहीं है और धीरे से प्रस्तुत किया जाता है। सूक्ष्म चेहरे के भावों के साथ हाथ के इशारों और मुखाग्नि को महत्व दिया जाता है।

- मोहिनीअट्टम नृत्य की अन्य मुख्य विशेषताएं हैं
  - समुद्र के लहरों और नारियल, ताड़ के पेड़ और धान के खेतों की लहरों की तरह संचलनों तथा ऊपर और नीचे संचलन द्वारा जोर दिया जाता है।
  - नांगियार कुथु और महिला लोक नृत्यों काकोट्टिकाली और तिरुवतिराकली से संचलनों का उधार लिया गया है।
  - मोहिनीअट्टम अभिनय पर जोर देता है। नर्तक पदम और पाद वर्णम जैसी रचनाओं में मौजूद चरित्र और भावनाओं से स्वयं को पहचानता है जो चेहरे के भावों के लिए पर्याप्त अवसर देते हैं।

Q.37) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

शिल्प	धरोहर
1. तवलोह्लपुआन (Tawlhlohpuan)	मेघालय
2. अरनमुला कन्नडी (Aranmula kannadi)	कर्नाटक
3. कंडांगी साड़ी (Kandangi Sarees)	केरल

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3

c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.37) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
तवलोह्लपुआन मिज़ोरम से भारी, कॉम्पैक्ट रूप से बुने हुए, अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े के लिए एक माध्यम है तथा इसे हाथ से बनाए जाने वाले ताना, बुनाई, कताई और जटिल डिजाइन के लिए जाना जाता है।	अरनमुला कन्नडी, (अरनमुला दर्पण) एक हस्तनिर्मित धातु-मिश्र धातु दर्पण है, जिसे केरल के पठानमथिट्टा के एक छोटे से शहर अरनमुला में बनाया गया है।	कंडांगी साड़ी हस्तनिर्मित सूती साड़ी हैं जो तमिलनाडु में निर्मित होती हैं।

Q.38) इस जनजातीय कला की उत्पत्ति पश्चिमी घाटों से हुई है, जिसमें मुख्य रूप से कई आकृति बनाने, मछली पकड़ने, शिकार, त्योहारों, नृत्य और बहुत अन्य जैसी दैनिक जीवन की गतिविधियों को चित्रित करने के लिए वृत्त, त्रिकोण और वर्गों का उपयोग किया जाता है। वह जो इसे दूसरों से अलग करता है, वह मानव आकृति: एक वृत्त और दो त्रिकोण है।
उपरोक्त गद्यांश निम्नलिखित कला रूपों में से किसका वर्णन करता है?

a) फाड़ चित्रकला
b) सौरा चित्रकला
c) पिथौरा चित्रकला
d) वर्ली चित्रकला

Q.38) Solution (d)

- वर्ली चित्रकला: चित्रकला का नाम उन लोगों से लिया गया है, जो पेंटिंग परंपरा को आगे बढ़ाते रहे हैं जो 2500-3000 ईसा पूर्व तक जाती है।
- उन्हें वर्ली कहा जाता है, स्वदेशी लोग जो मुख्य रूप से गुजरात-महाराष्ट्र सीमा पर रहते हैं। इन चित्रों में मध्यप्रदेश के भीमबेटका के भित्ति चित्रों से घनिष्ठ समानता है, जो पूर्व-ऐतिहासिक काल की है।

- इन कर्मकांडों के चित्रों में एक चौका या चौक का मुख्य रूप है, जो मछली पकड़ने, शिकार, खेती, नृत्य, जानवरों, पेड़ों और त्योहारों को चित्रित करने वाले दृश्यों से घिरा हुआ है।
- परंपरागत रूप से, चित्रों को बहुत मूल ग्राफिक शब्दावली का उपयोग करके दीवारों पर किया जाता है, जिसमें एक त्रिकोण, एक चक्र और एक वर्ग शामिल होता है।
- ये आकृतियाँ प्रकृति से प्रेरित हैं, अर्थात् सूर्य या चंद्रमा से वृत्त, शंक्वाकार आकार के पेड़ों या पहाड़ों से त्रिकोण और पवित्र बाड़े या भूमि के टुकड़े से वर्ग बनाये जाते हैं, एक मानव या जानवर का प्रतिनिधित्व करने के लिए, दो त्रिकोण टिप में शामिल होते हैं, उनके सिर की तरह काम करने वाले मंडलियों के साथ।
- आधार मिट्टी, शाखाओं और गोबर के मिश्रण से बना है जो इसे एक लाल गेरुआ रंग देता है। पेंटिंग के लिए केवल सफेद रंगद्रव्य का उपयोग किया जाता है, जो गोंद और चावल पाउडर के मिश्रण से बना होता है।

Q.39) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

पारंपरिक कढ़ाई (*Embroidary Traditions*)	राज्य
1. कशीदा (Kashida)	कश्मीरी
2. कसुटी (Kasuti)	कर्नाटक
3. कलाबट्टू (Kalabattu)	उत्तर प्रदेश

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.39) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
कशीदा एक लोकप्रिय कश्मीरी सुई कार्य तकनीक है, जो पारंपरिक रूप से कपड़ों पर काम में लाई जाती है जैसे कि स्टोल, ऊनी तीतर और रग। 	कसुटी भारत के कर्नाटक राज्य में प्रचलित लोक कढ़ाई का एक पारंपरिक रूप है। कसुटी काम जो बहुत जटिल है कभी-कभी हाथ से 5,000 टांके लगाना शामिल होता है और पारंपरिक रूप से इल्कल साड़ियों की तरह पोशाक पर बनाया जाता है। 	जरदोजी या जरी या कलाबट्टू धातु के तारों में की जाने वाली कढ़ाई का काम है। वाराणसी, लखनऊ, सूरत, अजमेर, भोपाल और हैदराबाद ज़री के काम के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इस काम में, धातु की सिल्लियों को पिघलाया जाता है और छिद्रित स्टील शीट के माध्यम से दबाया जाता है।

Q.40) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क	रचनात्मक क्षेत्र
1. जयपुर	शिल्प और लोक कला
2. हैदराबाद	फिल्में
3. चेन्नई	मीडिया कला
4. मुंबई	डिज़ाइन
5. वाराणसी	संगीत

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 3, 4, और 5
c) केवल 1 और 5
d) केवल 1, 2, 4 और 5

Q.40) Solution (c)

- 2004 में बनाया गया यूनेस्को का रचनात्मक शहरों का नेटवर्क (UCCN) का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर अपनी विकास योजनाओं के केंद्र में रचनात्मकता और सांस्कृतिक उद्योगों को रखने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रूप से सहयोग करने और अभिनव सोच और कार्रवाई के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक आम उद्देश्य है। ।
- नेटवर्क में सात रचनात्मक क्षेत्र शामिल हैं: शिल्प और लोक कला, मीडिया कला, फिल्म, डिजाइन, गैस्ट्रोनॉमी (पाक कला), साहित्य और संगीत।
- यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में भारतीय शहर हैं
    - मुंबई (फिल्म्स क्रिएटिव)
    - हैदराबाद (गैस्ट्रोनॉमी)
    - चेन्नई और वाराणसी (संगीत)
    - जयपुर (शिल्प और लोक कला)

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.